आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 26 लखनऊ, बुद्धवार 14 अक्तूबर से 20 अक्तूबर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

भारत ने मेक्सिको के साथ कारोबार बढ़ाने की सहमति जताइ

नई दिल्ली। भारत ने मेक्सिको के साथ आपसी व्यापार , आर्थिक सहयोग और निवेश बढ़ाने के लिए सहमति जताई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यहां बताया कि दोनों देशों के संबंधित समूहों की बैठक में इस आशय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। व्यापार निवेश और सहयोग पर भारत मेक्सिको द्विपक्षीय उच्च स्तरीय समूह की नौ अक्टूबर को अनलाइन आयोजित की गई पाचवीं बैठक में उद्योग संगठनों के स्तर पर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए। बैठक में भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व उद्योग एवं वाणिज्य सचिव अनूप वधावन और मेक्सिको का प्रतीक प्रतिनिधित्व वहां की उप विदेश व्यापार मंत्री लुज मारिया डि ला मोरा ने किया। बैठक में दोनों देशों के संबंधित विभागों के अधिकारियों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक में दो सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए इनमें से एक पर भारतीय इलेक्ट्रनिक्स एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद और मेक्सिको चेंबर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकम्युनिकेशन एवं इंफर्मेशन ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। दूसरे पर भारतीय उद्योग एवं

वाणिज्य महासंघ तथा मेक्सिको बिजनेस काउंसिल ऑफ ट्रेड, इन्वेस्टमेंट एंड टेक्नोलजी के बीच हस्ताक्षर हुए. ये संगठन संबंधित क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशगें और उस का प्रारूप तैयार करेंगें। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार की नई संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया। इसके लिए फार्मा, चिकित्सा उपकरण, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि उत्पाद, मछली पालन, खाद्य प्रसंस्करण तथा अंतरिक्ष आदि पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने दोनों देशों में बढ़ते आपसी व्यापार पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे अगले चरण तक ले जाने की सहमति जताई।

धान की फसल में किसानो का हो रहा है शोषण : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार पर धान में नमी का वास्ता देकर किसानों का शोषण करने का आरोप लगाया है और आंदोलन की चेतावनी दी है। श्रीमती वाड्रा ने आज ट्वीट किया उप्र के धान किसान बेहद परेशान हैं। धान की खरीद बहुत कम हो रही है। जो थोड़ी सी खरीद हो रही है उसमें रु १२०० से भी कम रेट मिल रहा है। यही धान कांग्रेस सरकार में रु ३,५०० तक बिका था। नमी के नाम पर किसानों का शोषण हो रहा है। शायद पहली बार ऐसा है कि धान गेंहू से सस्ता बिक रहा है। उन्होने कहा ऐसे में तो किसान

की लागत भी नहीं निकलेगी। किसान अगली फसल कैसे लगाएगा। बिजली बिल में लूट चल ही रही है। मजबूरन किसान कर्ज के जाल में फँसता जाएगा। श्रीमती वाड्रा ने मांग की कि प्रदेश सरकार तुरंत इसमें हस्तक्षेप कर किसान को सही दाम दिलाए वरना कांग्रेस पार्टी आंदोलन करेगी।

गद्दी कारखाने में लगी भीषण आग

लखनऊ। राजधानी के हाता सितारा बेगम के तीन–चार मंजिला स्थित गद्दी कारखाने के चौथे तल पर मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। सूचना पर फायर स्टेशन चौक दमकल की तीन गाड़ियां पहुंची। घंटे भर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मामला ठाकुरगंज क्षेत्र का है। यहां के निवासी मुन्ना का हाता सितारा बेगम में साइकिल की गद्दी बनाने का कारखाना है। चौथे तल पर टीन शेड के नीचे जमा कतरन और माल में मंगलवार को एकाएक आग लग गई। देखते–देखते आग की विकराल लपटें निकलतें लगीं। यह देख लोगों ने चीखपुकार की और पानी फेंकना शुरू किया। आग बेकाबू होते देख लोगों ने दमकल को सूचना दी। मौके पर चौक फायर स्टेशन के सेकेंड अफसर आरके शुक्ला टीम के साथ तीन गाड़ियां लेकर पहुंचे। तीन गाड़ियों की मदद से घंटे भर की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। आरके शुक्ला ने बताया कि आग पर समय से काबू पा लिया गया है। आग के कारणों की जांच की जा रही है। संभवतः किसी ने बीड़ी–सिगरेट पीकर फेंक दी जिससे आग लगी है अथवा शॉर्ट–सर्किट हो सकता है। आग से सिर्फ कतरन जली है। क्योंकि रेक्सीन–चमड़ा और केमिकल था। इसलिए धुंआ अधिक फैल गया था।

विधान भवन के सामने महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। अमेठी की पीड़िता के विधान भवन के सामने आग लगाकर आत्मदाह के प्रयास का मामला अभी पुराना भी नहीं पड़ा था कि मंगलवार को एक महिला ने फिर आत्मदाह का प्रयास किया है। इस महिला ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली है। महिला को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिविल अस्पताल के सीएमएस ड. एस.के नंदा के मुताबिक महिला ६० प्रतिशत झुलस गई है। लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली क्षेत्र के विधान भवन के सामने महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया है। मामला धर्म परिवर्तन का बताया जा रहा है। अंजली तिवारी ने धर्म परिवर्तन के बाद अपना नाम आयशा रखा था। इसका पति सउदी अरब में नौकरी करता है। छत्तीसगढ़ की रहने वाली अंजली तिवारी ने वैवाहिक संबंध खराब होने और दहेज उत्पीड़न के चलते आग लगाकर जान देने का प्रयास किया है। पुलिस उसके आत्मदाह करने के प्रयास का कारण जानने में लगी है। विधानभवन के पास मंगलवार को महराजगंज जिले की एक महिला ने खुद पर करोसिन उड़ेलकर आत्मदाह का प्रयास किया। महिला को आग की लपटों में घिरा देखकर मौके पर मौजूद लखनऊ पुलिसकर्मीयों ने कपड़े से आग बुझाकर महिला को कंबल में लपेटकर सिविल अस्पताल पहुंचाया। सिविल के सीएमएस ड.एसके नंदा के मुताबिक महिला ६० प्रतिशत जल गई है, उसकी हालत नाजुक है।मूलरूप से छत्तीसगढ़ निवासी अंजली तिवारी ने दो वर्ष पहले महराजगंज जिले के घुघली थाना क्षेत्र के पचरूखिया निवासी अखिलेश तिवारी से शादी की थी। इस दौरान दोनों में विवाद हुआ और अंजली अलग रहने लगी।

इसके कुछ दिन बाद अंजली ने महराजगंज में ही राजघराना साड़ी सेंटर पर कार्य शुरू कर दिया। वहां पर काम करने के दौरान ही उसका वीरबहादुर नगर निवासी आशिक रजा से संबंध हो गया। अंजली का दावा है कि उन दोनों ने निकाह कर लिया था। अंजली ने अपना धर्म परिवर्तन कराकर नाम भी आयशा कर लिया। इस निकाह के कुछ दिन बाद में आशिक रजा सऊदी अरब भाग गया। आशिक के जाने के बाद अंजली उसके घर में रहने की जिद करने लगी। चार अक्टूबर को वह अपने कथित पति के घर के सामने धरने पर बैठ गई। वहां पर मौके पर पहुंची महाराजगंज पुलिस उसे लेकर महिला थाने गई थी, लेकिन मामले का हल नहीं निकल पाया। अंजली ने १३ अक्टूबर को आत्मदाह की बात को लेकर नोटिस दिया था। उसकी तलाश में महिला एसओ मनीषा सिंह को लखनऊ भेजा गया था। इंस्पेक्टर हजरतगंज अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि महिला एसओ ने घटना से १५ मिनट पहले ही उनसे सम्पर्क किया था, पुलिस को तुरंत अलर्ट किया गया, लेकिन फिर भी अंजली ने खुद को आग के हवाले कर लिया। इस घटना के बाद महराजगंज पुलिस की घोर लापरवाही और चूक उजागर हो चुकी है, अगर वक्त रहते वहां की पुलिस ने कार्रवाई की होती तो यह एक महिला खुद को आग के हवाले करने पर मजबूर न होती।महिला अंजली ने खुद को जैसे ही आग के हवाले किया, मौके पर मौजूद हजरतगंज कोतवाली के सिपाही सिद्धार्थ सेंगर ने पास की चौकी से तौलिया उठाकर आग बुझानी शुरू कर दी। इसके थोड़ी ही देर में महिला सिपाही निशा पाल, दारोगा नरेंद्र राय व कृष्णकांत राय ने महिला के शरीर को कंबल से ढक दिया। कुछ मीडिया कच्मयों ने भी सहयोग किया। पुलिस आयुक्त लखनऊ, सुजीत पांडेय ने बताया कि महाराजगंज का मामला है। कैपिटल तिराहे के पास पहले से पुलिस मौजूद थी, महिला ने जैसे ही खुद को आग लगाई, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने आग बुझाकर उसे अस्पताल पहुंचाया। महिला की पहली शादी में पति से संबंध टूट गये थे। आशिक रजा के साथ महिला कुछ दिन रही भी है, विदेश चला गया, जिसके चलते महिला ने यह कदम उठाया।

सम्पादकीय

कोरोना संकट के समय दुनिया भर के अरबपति पहले से भी ज्यादा अमीर

लोकतांत्रिक देशों में इस वक्त जो राजनीतिक उथल–पुथल है, उसके पीछे इस परिघटना का बड़ा रोल है। इसके बावजूद उन देशों में इस समस्या को कैसे हल किया जाए, इसको लेकर कोई सहमति नहीं बनी है। ताजा खबर यह है कि जर्मन कंपनी पीडब्ल्यूसी और स्विस बैंक यूबीएस की कंसल्टिंग फर्मों का एक रिसर्च जारी हुआ है। उससे यह बात सामने आई है कि कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर के अरबपति पहले से भी ज्यादा अमीर हो गए हैं। जुलाई के अंत में दुनिया के दो हजार से भी ज्यादा अरबपतियों की संपत्ति रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच कर दस हजार करोड़ डॉलर से भी ज्यादा हो गई। २०१७ में यह नौ हजार करोड़ डॉलर से भी कम थी। उस समय यह रिकर्ड संख्या थी। २०१८ और २०१६ में यह कम होती गई। लेकिन २०२० में महामारी के दौरान अरबपतियों को एक बार फिर खूब मुनाफा होता देखा गया है। इस स्टडी के अनुसार स्टॉक मार्केट में बेहतरी इसकी एक वजह है और दूसरी वजह तकनीक और स्वास्थ्य सुविधाओं में ज्यादा निवेश है। दुनिया भर में कुल २,१८६ ऐसे लोग हैं, जिनकी संपत्ति एक अरब डलर से अधिक है। संपत्ति का मूल्यांकन करने के लिए बैंक अकाउंट, प्रॉपर्टी, लग्जरी सामान इत्यादि का हिसाब जोड़ा जाता है। किसी भी तरह के कर्ज को कुल मूल्य में से हटा लिया जाता है। अकेले जर्मनी में जुलाई के अंत में अरबपतियों की संपत्ति करीब ५६५ अरब डॉलर तक पहुंच गई थी। हालांकि कोरोना काल की शुरुआत में इन लोगों ने भी घाटा झेला था। इसके अलावा एक अरब डॉलर से अधिक संपत्ति रखने वालों की तादाद देश में ११४ से बढ़ कर ११६ हो गई। यूबीएस और पीडब्ल्यूसी पिछले २५ साल से अरबपतियों की दौलत का हिसाब रख रहे हैं। इस दौरान दुनिया भर के रईसों की दौलत में पांच से दस गुना का इजाफा देखा गया है। २५ साल पहले जहां सभी अरबपतियों की संपत्ति मिला कर मात्र एक हजार करोड़ डलर की थी, अब वह दस हजार करोड़ डॉलर की हो चुकी है। इस ट्रेंड का दुनिया भर में पोपुलिज्म का दौर लाने में बड़ी भूमिका रही है। पॉपुलिस्ट नेताओं ने इसका जिक्र कर पिछड़ रहे लोगों का समर्थन हासिल किया है। उसका परिणाम है कि आज कई देशों में लोकतंत्र के सामने कठिन चुनौतियां पैदा हो गई हैं।

कानून–व्यवस्था के नाम पर मृत पीड़िता व उसके परिवार के मानवाधिकारों का उल्लंघन : हाई कोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित हाथरस कांड में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कहा है कि राज्य के अधिकारियों ने कानून और व्यवस्था की स्थिति के नाम पर जो किया वह मृत पीड़िता और उसके परिवार के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। वह अपने धार्मिक रीति–रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार की हकदार थी जो अनिवार्य रूप से उसके परिवार द्वारा किया जाना था। हाथरस कांड में रात में मृत पीड़िता का अंतिम संस्कार किए जाने को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ का फैसला मंगलवार शाम आ गया है। सोमवार को हाई कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई की थी, लेकिन फैसला नहीं दिया था। हाई कोर्ट ने जिला प्रशासन पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा है कि अधिकारी पीड़ित परिवार को मृतका का शव नहीं सौंपने का उचित कारण नहीं बता सके। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को पीड़ित परिवार की सुरक्षा–व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है ताकि उन्हें कोई नुकसान न हो। कोर्ट ने कहा है कि एसआईटी या अन्य किसी एजेंसी द्वारा की जा रही पूछताछ और जांच पूरी तरह से गोपनीय रखी जाए और कोई भी रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से लीक न किया जाए। बता दें कि सोमवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में सुनवाई के दौरान हाथरस के जिलाधिकारी

प्रवीन कुमार लक्षकार ने कोर्ट में कहा कि रात्रि में ही मृतका के अंतिम संस्कार का फैसला जिला प्रशासन का था। कानून व्यवस्था के मद्देनजर यह फैसला लिया गया था। राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। दूसरी ओर राज्य सरकार ने पक्ष रखा कि इस मामले में कोई भी दुर्भावनापूर्ण निर्णय नहीं लिया गया। कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद चेंबर में लिखाने के लिए अपना आदेश सुरक्षित कर लिया है। साथ ही अगली सुनवाई के लिए दो नवंबर की तारीख मुकर्रर की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने मामले का स्वतरू संज्ञान लिया है और इसे श्गरिमापूर्ण ढंग से अंतिम संस्कार के अधिकारश टाइटिल के तहत सूचीबद्ध किया गया है। न्यायमूर्ति पंकज मित्थल और न्यायमूर्ति राजन रय की खंडपीठ ने दोपहर दो बजकर बीस मिनट पर सुनवाई शुरू की। कोर्ट में पीड़ित परिवार के साथ ही राज्य सरकार की ओर से अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी, पुलिस महानिदेशक व हाथरस के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक पेश हुए। परिवार की बिना मर्जी के अंतिम संस्कार के सवाल पर हाथरस के जिलाधिकारी ने पक्ष रखा कि २६ सितंबर को रात्रि १२.३० बजे शव गांव पहुंचा। उस समय तक गांव के बाहर बड़ी संख्या में असामाजिक तत्व पहुंच चुके थे और हिंसा पर उतारू थे। शव की हालत भी लगातार बिगड़ती जा रही थी। स्थानीय स्तर की परिस्थितियों के कारण ही अंतिम संस्कार रात में ही कराने का फैसला लेना पड़ा।

हाथरस कांड की तहकीकात के लिए पहुंची सीबीआई, छानबीन शुरू

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के बुलगड़ी मामले को सीबीआई ने टेकओवर करते ही छानबीन तेज कर दी है। सीबीआई की टीम क्राइम सीन को रिक्रिएट करके सबूत इकट्ठा करने की कोशिश करेगी। घटना स्थल पीड़िता के घर के करीब ५०० मीटर दूर है। इसी खेत में १४ सितंबर को युवती पर हमला किया गया था। यहां घटना स्थल पर लोगों को रोकने के लिए पुलिस तैनात है। सीबीआई की टीम के साथ पीड़िता का भाई भी मौके पर है। टीम छह गाड़ी में पहुंची जिमें १५ अधिकारी हैं। घटना स्थल पर सबूत एकत्रित किए जा रहे हैं। सीबीआई ने गांव पहुंचकर सबसे पहले घटनास्थल की फोटोग्राफी करवाई। हर संभव तरीके से घटनास्थल को तस्वीरों में कैद किया गया। सीबीआई के साथ फरेंसिक टीम भी मौजूद है। मालूम हो कि पूरा गांव छावनी में तब्दील हो चुका है। चप्पे–चप्पे पर पुलिस

बल तैनात है। सीबीआई की टीम के पहुंचने से पहले घटनास्थल के आसपास पूरे १.५ किलोमीटर की परिधि को सील कर दिया गया है। इससे पहले सीबीआई ने हाथरस के मुख्य आरोपी के खिलाफ गैंगरेप, हत्या का प्रयास और हत्या के साथ एससी–एसटी ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की थी। उधर, पीड़िता के पिता की मंगलवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनका अचानक बीपी बढ़ गया है। मृत युवती की मां, और बुआ को हस्पिटल लाया गया। ईसीजी कराई जा रही है। रात में ही वह परिवार के साथ लखनऊ से लौटे हैं। सीएमओ ड. ब्रजेश राठौर गांव पहुंचे। हालात खराब होने पर पीड़िता के पिता को हाथरस ले जाया जा सकता है। सीबीआई की जांच टीम के गांव पहुंचने से पहले ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। सीबीआई ने इस केस और घटना से जुड़े सभी अहम कागजात और केस डायरी को भी खंगाला है।

१५ से खुलेंगे सिनेमा हाल व मल्टीप्लेक्स

लखनऊ। कोरनो वायरस के बढ़ते संक्रमण में लकडाउन के कारण करीब छह महीने से बंद प्रदेश के सिनेमाघर तथा मल्टीप्लेक्स १५ अक्टूबर यानी गुरुवार से संचालित होंगे। अनलक ५.० की केंद्र सरकार की गाइडलाइन के तहत राज्य सरकार ने भी इनको खोलने का फैसला किया है। सभी सिनेमाहाल तथा मल्टीप्लेक्स

फिलहाल कंटेनमेंट जोन के बाहर खोले जाएंगे। कंटेनमेंट जोन में इनको खोलने की अनुमति फिलहाल नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने मंगलवार को अनलॉक ५.० की गाइडलाइन जारी की है। जिसमें यह तय किया गया है कि गुरुवार से पचास फीसद दर्शक क्षमता के साथ सिनेमा हॉल तथा मल्टीप्लेक्स को संचालित किया जाएगा। यूपी सरकार ने केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार एडवाइजरी जारी की है। १५ अक्टूबर से सिनेमा थिएटर व मल्टीप्लेक्स खोलने की अनुमति दी गई है।इसके तहत निर्धारित क्षमता के अधिकतम ५० प्रतिशत दर्शकों के साथ सिनेमा हॉल तथा मल्टीप्लेक्स खोलने की अनुमति दी गई है। इसमें भी मंत्रालय की एडवाइजरी तथा फिजिकल डिस्टेंसिंग का पूरी तरीके से पालन करना अनिवार्य होगा। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने सभी जिलों को यह निर्देश जारी कर दिया है। सभी जिलों में कंटेनमेंट जोंस के बाहर सिनेमा मल्टीप्लेक्स और थिएटर खुलेंगे।पीवीआर, आइनक्स, सिनेपोलिस व मुक्ता सिनेमाज सहित मल्टीप्लेक्स चलाने वाली कंपनियां ५० फीसदी कैपेसिटी के साथ संचालन शुरू करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल सिनेमाघर के अंदर साफ–सफाई व सैनेटाइजेशन का काम चल रहा है। सिनेमाहॉल में सिटिंग अरेंजमेंट बदला हुआ रहेगा। अब हर सीट के बाद दूसरी सीट खाली रखकर दर्शकों को बैठाया जाएगा। हर शो के बाद पूरे सिनेमाहल को फिर से सैनेटाइज किया जाएगा।

यूपी में कोरोना वायरस से संक्रमित ३,०३३ नए रोगी मिले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित ८६.६२ फीसद रोगी अभी तक स्वस्थ हो चुके हैं। मंगलवार को नए मिले ३,०३३ रोगियों के मुकाबले कहीं ज्यादा ३,६६२ मरीज स्वस्थ हुए। बीते २६ दिनों से लगातार नए रोगियों के मुकाबले स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक है। ऐसे में इन २६ दिनों में एक्टिव केस ६८,२३५ से घटकर अब ३८,०८२ रह गए हैं। यानी एक्टिव केस ४४ प्रतिशत कम हुए हैं। अब कुल रोगियों की संख्या ४.४२ लाख पहुंच गई है और इसमें से ३.६७ लाख मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि अब संक्रमण से हो रही मौतों में भी कमी आई है। बीते २४ घंटे में २६ लोगों की मौत हुई है। तीन हफ्ते पहले तक प्रतिदिन करीब ८० से ६० लोग जान गवा रहे थे। अब तक कुल ६,४६७ लोगों की जान यह खतरनाक वायरस ले चुका है। मंगलवार को १.५१ लाख लोगों की कोरोना जांच कराई गई और अब तक कुल १.२१ करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जा चुका है। अब तक १.३७ लाख लोग ई संजीवनी पोर्टल की मदद से चिकित्सकों से आनलाइन परामर्श ले चुके हैं।उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों के स्वस्थ होने की रफ्तार तेज है। महीने भर पहले संक्रमित मरीजों की संख्या ३.१२ लाख थी और इसमें से २.३६ लाख रोगी स्वस्थ हो चुके थे। उस समय रिकवरी रेट ७६.७ फीसद था और अब यह बढ़कर ८६.६२ प्रतिशत पहुंच गया है। रिकवरी रेट में १३.२२ प्रतिशत का सुधार हुआ है।

सरकारी कर्मचारियों को त्योहारों पर तोहफा

लखनऊ। केंद्रीय कर्मचारियों की ही तरह उत्तर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को त्योहारों पर तोहफा मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए भारत सरकार ने अपने कर्मचारियों को अग्रिम धनराशि देने का निर्णय लिया है। वित्त विभाग केंद्र की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी इसी प्रकार की योजना तैयार करे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में टीम ११ के साथ अनलक की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के वित्त विभाग को कर्मचारियों के लिए केंद्र जैसी योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने सोमवार को अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को त्योहारों के मौके पर १०,००० रुपये का ब्याज मुक्त अग्रिम धनराशि देने का फैसला किया था। उपभोक्ता खर्च बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने की योजना के तहत केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया था।उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण धीरे–धीरे काबू में आ रहा है। पिछले २६ दिन में कोविड–१६ के एक्टिव केस में आई ४४ फीसद कमी पर संतोष जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब और सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में अन्य गतिविधियां भी शुरू होने जा रही हैं। अब अयोध्या, वाराणसी और सीतापुर में रिकवरी दर बढ़ाने

के साथ ही जिलेवार रिकवरी दर की निगरानी के निर्देश योगी ने दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड–१६ के प्रोटोकॉल के पूरी तरह पालन के लिए लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। लखनऊ में रिकवरी दर को और बेहतर किया जाए। इसके लिए एक प्रभावी रणनीति बनाएं और टेस्टिंग में वृद्धि के साथ–साथ एसजीपीजीआइ, केजीएमयू और राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में उपचार व्यवस्था को मजबूत बनाएं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य को अयोध्या, वाराणसी और सीतापुर में भी रिकवरी दर में वृद्धि के निर्देश दिए। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग और मुख्य सचिव आरके तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए शारदीय नवरात्रि से शुरू हो रहे मिशन शक्ति अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी हो। व्यापारिक संस्थाओं और एमएसएमई इकाइयों में भी महिला सुरक्षा के संबंध में कार्यक्रम हों। स्टिकर आदि भी लगवाए जाएं। हेल्प लाइन नंबर भी जारी किया जाए। सीएम योगी ने कहा कि १६ अक्टूबर को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ३१ हजार से अधिक सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। १७ अक्टूबर से मिशन शक्ति का शुभारंभ होगा। प्रत्येक जिले में दोनों तिथियों पर कार्यक्रम होंगे। इनमें जिले के प्रभारी मंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए।

बीजेपी मतदाता सूचियों को दुरुस्त कराने और संवाद-संपर्क बढ़ाने पर करेगी फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मजबूती से उतरने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) मतदाता सूचियों को दुरुस्त कराने और संवाद–संपर्क बढ़ाने पर फोकस करेगी। यूपी बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि इसकी चिंता करना होगा कि कोई भी मताधिकार से वंचित न रहे। नेताओं के प्रवास व संवाद के जरिए गांव, चौपाल व मजरों तक पार्टी का संदेश पहुंचाया जाएगा। सोमवार को लखनऊ स्थिति पार्टी मुख्यालय में आहूत पंचायत चुनाव संचालन समिति की बैठक में रणनीति पर चर्चा की गयी। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में १५ से २१ अक्टूबर तक जिलास्तर पर तैयारी बैठकों के आयोजन का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही २५ अक्टूबर तक ब्लाकों में बैठकें संपन्न करा लीं जाएंगी। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि इसकी चिंता करना होगा कि कोई भी मताधिकार से वंचित न रहे। नेताओं के प्रवास व संवाद के जरिए गांव, चौपाल व मजरों तक पार्टी का संदेश पहुंचाया जाएगा।यूपी बीजेपी के महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कहा कि जब भाजपा का कार्यकर्ता पंचायत में निर्वाचित होगा तब केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों तथा योजनाओं से विकास और भी अधिक हो सकेगा। चुनाव के लिए जमीनी कार्य करना है। प्रदेश उपाध्यक्ष व पंचायत चुनाव संयोजक विजय बहादुर पाठक ने गत दिनों प्रदेश में १८ कमिश्नरी मुख्यालयों पर पंचायत चुनाव को लेकर हुई बैठकों के बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि २५ अक्टूबर से पूर्व सभी ब्लाक मुख्यालय पर बैठकें आयोजित कर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा होगी। बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भूपेन्द्र चौधरी, रमा शंकर सिंह पटेल तथा, प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, प्रकाशपाल, मंत्री संजय राय, सुभाष यदुवंश सहित पंचायत चुनाव के क्षेत्रीय संयोजक भी उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में युवक पर ईंट पत्थर से किया हमला, हालत गंभीर

लखनऊ। सरोजनीनगर इलाके में मंगलवार को जमीनी विवाद को लेकर एक युवक ने अपनी मां और बहन के साथ मिलकर चचेरे भाई के ऊपर ईंट से हमला कर दिया। इस घटना में पीड़ित युवक का सिर फटने से वह बुरी तरह लहूलुहान होकर घायल हो गया। आनन फानन पुलिस की मदद से

लहूलुहान हालत में उसे पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। ट्रामा सेंटर में उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। वहीं घटना का वीडियो वायरल होने से पुलिस में हड़कंप मच गया है। बंथरा के नूर नगर भदरसा निवासी मेडी लाल के बेटे रामचंद्र यादव (३६) और उसके चचेरे भाई वीरू उर्फ झूरी के बीच जमीनी विवाद को लेकर काफी दिनों से रंजिश चल रही है। बताते हैं कि इसी रंजिश को लेकर रामचंदर करीब १ वर्ष से उन्नाव जिले के मौरावां में परिवार सहित रहता है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को रामचंदर सरोजनीनगर के बिजनौर कस्बा स्थित बैंक अफ इंडिया में अपने खाते से रुपए निकालने पहुंचा था। तभी बैंक के बाहर रामचंद्र को देखकर वीरू, उसकी मां सावित्री व उसकी बहन उस पर भड़क गई और दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। इसी बीच वीरू और उसकी मां सावित्री ने मिलकर रामचंद्र के ऊपर ईंटों से हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने उसके सिर पर ईटों से कई वार कर दिए। रामचंद्र के सिर में ईंटों से हमला होने के कारण वह लहूलुहान होकर मरणासन्न हालत में जमीन पर गिर पड़ा। बाद में आसपास लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने बेहोशी की हालत में रामचंद्र को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी हालत ज्यादा गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल ट्रामा सेंटर में उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। उधर घटना के बाद मौके से भाग रहे आरोपी बीरू को पुलिस ने दौड़ाकर धर दबोचा। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं बाद में सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने से पुलिस के हाथ पांव फूल गए। फिलहाल पुलिस अब आरोपी सावित्री की तलाश में जुट गई है।

सांसद आजम खां, उनकी पत्नी–बेटे को हाई कोर्ट से जमानत

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रामपुर के सांसद व समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां, उनकी विधायक पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला की जमानत मंजूर

कर ली है। हाई कोर्ट से दो मामलों में जमानत मिलने के बाद भी आजम खां व उनके परिवार को अभी जेल में ही रहना पड़ेगा। इनके ऊपर दर्ज चार अन्य मुकदमों में अभी उन्हें जमानत नहीं मिली है। इस कारण उन्हें सीतापुर जेल में ही रहना पड़ेगा। दो मामलों की सुनवाई इलाहाबाद हाई कोर्ट में चल रही है, वहीं दो अन्य मामले रामपुर जिला न्यायालय में विचाराधीन हैं।रामपुर के सांसद आजम खां, उनकी विधायक पत्नी तजीन फातिमा व बेटे अब्दुल्ला सीतापुर जेल में २७ फरवरी से निरुद्ध हैं। जेल में इन्हें साढ़े सात महीने हो गए हैं। जेलर आरएस यादव ने बताया, सांसद आजम खां व उनके बेटे अब्दुल्ला जेल की हाई सिक्योरिटी वाली बैरक संख्या–एक में हैं, जबकि उनकी पत्नी महिला वार्ड में निरुद्ध हैं। बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आजम खां, उनकी पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा व बेटे मो. अब्दुल्ला आजम खां को दो अलग–अलग मामलों में जमानत दी है। दोनों मामले रामपुर में दर्ज थे। एक मामला आजम खां के बेटे अब्दुल्ला के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र का है, जबकि दूसरा मामला दुकान के आवंटन को लेकर दर्ज कराया गया था।आजम खां पर आरोप है कि उन्होंने नगर विकास मंत्री रहते हुए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके कम कीमत पर पत्नी ड. तंजीन और बेटे अब्दुल्ला के नाम २०१४ में क्वालिटी बार शाप का आवंटन कराया था। इस मामले में कोर्ट ने आजम की पत्नी व बेटे को जमानत दी है। वहीं, बेटे का फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के मामले में आजम, उनकी पत्नी, बेटे को जमानत दी गई। दोनों मामलों में सुनवाई पूरी होने के बाद एक सितंबर को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था।न्यायमूर्ति सिद्धार्थ की एकल पीठ ने कहा कि शिकायतकर्ता भाजपा नेता आकाश सक्सेना का बयान दर्ज होने के बाद आजम खां को रिहा किया जाए। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट रामपुर के खुलने के तीन माह में शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने की अपेक्षा की है। याचियों के खिलाफ आकाश सक्सेना ने रामपुर के गंज थाने में धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।रामपुर के सांसद आजम खां, उनकी विधायक पत्नी तजीन फातिमा पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे की दो जन्म तारीख प्रमाणपत्र बनवाया है। दोनों की जन्म तारीख में काफी अंतर है। अब्दुल्ला आजम खां फर्जी जन्म प्रमाणपत्र से विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं, हालांकि हाई कोर्ट ने उनका चुनाव निरस्त कर दिया है।

रंप ने फ्लोरिडा में की चुनावी रैली

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोरोना वायरस (कोविड–१६) से संक्रमित होने और फिर स्वस्थ होने के बाद मंगलवार को चुनावी रैली की। ट्रंप कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद दो सप्ताह से भी कम समय में चुनाव अभियान में वापसी की है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार फ्लोरिडा के सैनफोर्ड में रैली के दौरान राष्ट्रपति के हजारों समर्थक एकत्रित हुये। श्री ट्रंप की प्रांत में अगली चार चुनावी रैलियों में से यह पहली रैली थी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने में तीन सप्ताह ही रह गये हैं और श्री ट्रंप और उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को श्री बिडेन ने ओहियो में भाषण दिया। श्री ट्रंप के डॉक्टर ने रविवार को कहा कि अब राष्ट्रपति से अन्य लोगों में कोरोना संक्रमण के फैलने का खतरा नहीं है। डॉक्टर ने सोमवार को खुलासा किया कि राष्ट्रपति की हाल की सभी रिपोर्टें निगेटिव आई हैं।

वैश्विक स्तर पर कोविड–१६ के मामले ३.७७ करोड़ के पार

वाशिंगटन। वैश्विक स्तर पर कोरोनावायरस मामलों की कुल संख्या ३.७७ करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है, जबकि संक्रमण से हुई मौतों की संख्या १,०७८,८६० से अधिक हो गई हैं। यह जानकारी जॉन्स हपकिन्स यूनिवर्सिटी ने मंगलवार को दी। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने अपने नवीनतम अपडेट में खुलासा किया कि मंगलवार की सुबह तक कुल मामलों की संख्या ३७,७३८,५६६ हो गई थी और मृत्यु दर बढ़कर १,०७८,८६८ हो गई। सीएसएसई के अनुसार, अमेरिका दुनिया में सबसे अधिक प्रभावित देश हैं, यहां ७,८०३,८८४ मामले दर्ज किए गए हैं और २१४,०६३ मृत्यु दर्ज की गई है। वहीं मामलों की दृष्टि से भारत ७,१२०,५३८ मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि देश में मरने वालों की संख्या १०६,१५० है। सीएसएसई के आंकड़ों के अनुसार, अधिक मामलों वाले अन्य शीर्ष १५ देश ब्राजील (५,१०३,४०८), रूस (१,३०५,०६३), कोलम्बिया (६१६,०८३), अर्जेंटीना (६०३,७३०), स्पेन (८८८,६६८), पेरू (८४६,३७१), मैक्सिको (८२१,०४५), फ्रांस (७७६,०६७), दक्षिण अफ्रीका (६६३,३५६), ब्रिटेन (६२०,४५८), ईरान (५०४,२८१), चिली (४८२,८३२), इराक (४०५,४३७), बांग्लादेश (३७६,७३८), और इटली (३५६,५६६) हैं। ब्राजील वर्तमान में संक्रमण से हुई मौतों के मामले में १५०,६८६ संख्या के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं १०,००० से अधिक मौत वाले देश मेक्सिको (८३,६४५), ब्रिटेन (४२,६६५), इटली (३६,२०५), पेरू (३३,३०५), स्पेन (३३,१२४), फ्रांस (३२,७०३), ईरान (२८,८१६), कोलंबिया (२७,६८५), अर्जेंटीना (२४,१८६), रूस (२२,५६४), दक्षिण अफ्रीका (१७,८६३), चिली (१३,३७६), इक्वाडोर (१२,२१८), इंडोनेशिया (११,६३५) और बेल्जियम (१०,१६१) हैं।

बिहार में ७८ सीट पर ०७ नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए आज अधिसूचना जारी

पटना। बिहार विधानसभा के तीसरे और अंतिम चरण में ७८ सीट पर ०७ नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए आज अधिसूचना जारी होने के साथ ही उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, बिहार में विधानसभा की २४३ में से तीसरे चरण की ७८ सीट के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में नामांकन भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। उम्मीदवार २० अक्टूबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच २१ अक्टूबर को होगी और २३ अक्टूबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। तीसरे और अंतिम चरण के लिए ०७ नवंबर को जिन क्षेत्रों में मतदान कराया जाएगा उनमें वाल्मीकि नगर, रामनगर (सुरक्षित), नरकटियागंज, बगहा, लौरिया, सिकटा, रक्सौल, सुगौली, नरकटिया, मोतिहारी, चिरैया, ढाका, रीगा, बथनाहा (सु), परिहार, सुरसंड,

बाजपट्टी, हरलाखी, बेनीपट्टी, खजौली, बाबूबरही, बिस्फी, लौकहा, निर्मली, पिपरा, सुपौल, त्रिवेणीगंज (सु), छातापुर, नरपतगंज, रानीगंज (सु), फारबिसगंज, अररिया, जोकीहाट, सिकटी, बहादुरगंज, ठाकुरगंज, किशनगंज, कोचाधामन, अमौर, बायसी, कस्बा, बनमनखी (सु), रुपौली, धमदाहा, पूर्णिया, कटिहार, कदवा, बलरामपुर, प्राणपुर, मनिहारी (सु), बरारी, कोढ़ा, आलमनगर, बिहारीगंज, सिंघेश्वर (सु), मधेपुरा, सोनबरसा (सु), सहरसा, सिमरी बख्तियारपुर, महिषी, दरभंगा, हायाघाट, बहादुरपुर, केवटी, जाले, गायघाट, औराई, बोचहा (सु), सकरा, कुढ़नी, मुजफ्फरपुर, महुआ, पातेपुर (सु), कल्याणपुर (सु), वारिसनगर, समस्तीपुर, मोरवा और सरायरंजन शामिल है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की २४३ सीटों के लिए तीन चरण में २८ अक्टूबर, ०३ नवंबर और ०७ नवंबर को मतदान कराया जाना है। दस नवंबर को मतगणना होगी और चुनाव की प्रक्रिया १२ नवंबर तक पूरी हो जायेगी। बिहार विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल २९ नवंबर २०२० को समाप्त हो रहा है।

जेल में बंद विधायक के फोन से उगाही के लिए आई कॉल, जांच शुरू

वाराणसी। उत्तरप्रदेश के जेल में बंद विधायक विजय मिश्रा के फोन नंबर से उगाही के लिए फोन किया गया। शिकायत दर्ज कराने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस कॉल ने पुलिस को अचंभे में डाल दिया है, क्योंकि मिश्रा आगरा जेल में हैं, जबकि उनके फोन, सिम कार्ड को मध्यप्रदेश पुलिस ने गिरफ्तारी के वक्त जब्त कर लिया था और बाद में भदोही पुलिस को सौंप दिया था। उगाही के लिए फोन ज्ञानपुर नगर पंचायत के चेयरमैन हीरालाल मौर्या को किया गया था, जिन्होंने भदोही पुलिस के समक्ष सोमवार को शिकायत दर्ज कराई। भदोही पुलिस अधीक्षक आर.बी. सिंह ने अधिकारियों से मामले की जांच करने और इस बात का पता लगाने के लिए कहा है कि आखिर उस नंबर का प्रयोग उगाही के लिए कैसे गिया गया। साथ ही उन्होंने यह पता लगाने के बाद एफआईआर करने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, मौर्या ने शिकायत दर्ज कराई की उसे जेल में बंद विधायक के नंबर से शनिवार को फोन आया था। कॉलर ने उनसे ५०,००० रुपये की राशि मांगी। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश पुलिस ने १४ अगस्त को मिश्रा से पिस्तौल, मोबाइल फोन और ३ लाख रुपये नकद जब्त किया था। वहीं मिश्रा को भदोही पुलिस को सुपूर्द करते समय भी एमपी पुलिस ने सारी सामग्री सुपूर्द की थी। यह चेक किया जा रहा है कि जब्त फोन में सिम कार्ड था और कैसे इसका प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कॉलर को खोजने के प्रयास शुरू हो चुके हैं। मिश्रा को १८ जुलाई को एक कांट्रेक्टर को धमकी देने के मामले में गुंडा एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था।

राजनीतिक दल अन्य दलों से खुद को बेहतर साबित करने की होड़

बिहार में 'का बा' के जवाब में भाजपा ने लांच किया 'ई बा'!

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का समय जैसे–जैसे नजदीक आ रहा है वैसे–वैसे राजनीतिक दल अन्य दलों से खुद को बेहतर साबित करने के लिए तरह–तरह के उपाय कर रहे हैं। इसी क्रम में अब चुनाव में भोजुपरी गाने का प्रवेश हो गया है। पिछले दिनों भोजपुरी गाना 'बिहार में का बा' के जवाब में भाजपा ने मंगलवार को 'बिहार में ई बा' लांच किया, जो कुछ ही घंटों में ट्विटर पर ट्रेंड होने लगा। भाजपा के अधिंत सोशल साइटों के जरिए जारी इस गाने में बिहार में १५ सालों में हुए विकास का गुणगान किया गया है। भोजपुरी में तैयार इस वीडियो में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के राज में बिहार के बदल रहे स्वरूप को दिखाने की कोशिश की गई है। भाजपा आईटी सेल के प्रदेश संयोजक मनन कृष्ण ने कहा कि करीब ढाई मिनट के इस वीडियो में राजग सरकार द्वारा बिहार में बदलाव की कहानी है। उन्होंने कहा, चुनाव में विपक्ष ने 'बिहार में का बा' पूछा था, जिसका जवाब दिया गया है। पार्टी के सभी सोशल एकाउंट से इसे एक साथ लांच किया गया है। मनन कृष्ण आगे बताते हैं कि पार्टी के सभी व्हाट्सऐप ग्रुप और अधिंत फेसबुक, ट्विटर पर इसे लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी मतदान केंद्र, शक्ति केंद्र और मंडल स्तरीय इकाई के जरिए इस गाने को आम लोगों तक पहुंचाने की योजना है। पार्टी इस वीडियों के जरिए अपनी सरकार में किए गए कार्यों को घर–घर तक पहुंचाना चाहती है। भाजपा की ओर से जारी इस वीडियो में शुरूआत 'बिहार में का बा' से होती है। इसके बाद एक आवाज आती है 'रुक बताव तानी का बा'। इसके बाद गीत–संगीत के साथ ही शुरू होता है कि बिहार में क्या–क्या काम हुआ है। इस गाने में गायक 'एनडीए के राज में बदलल अपन ई बिहार हो' से गाने की शुरूआत करता है। इसके बाद बिहार में आईआईटी, स्कूल–कॉलेज, सड़क, बिजली, पानी से लेकर आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुए कार्यों को बताता है। बिहार की सड़कों अस्पतालों, पुल–पुलिया के अलावे कानून का राज, अमन–चौन, शिक्षा में हुए काम के साथ ही बिहारियों की मेहनत से तैयार आलीशान भवनों का भी जिक्र वीडियो में किया गया है। इस गाने के जरिए यह भी बताने की कोशिश की गई है कि बाहर जा चुके लोग भी अब व्यवसाय करने के लिए बिहार लौट रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों अभिनेता मनोज वाजपेयी ने 'बम्बई में का बा' का एक रैप सांग आधारित वीडियो बनाया था, जो लोगों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद बिहार की नेहा सिंह ने 'बिहार में का बा' गाने के जरिए बिहार के विकास को लेकर सरकार को कठघरे में खडा किया। नेहा के इस गाने को विपक्षी दलों ने जमकर भुनाने की कोशिश की। विपक्षी दलों द्वारा पटना की सड़कों पर इस मामले में पोस्टर भी लगाकर सरकार से पूछा गया कि 'बिहार में का बा'। बहरहाल, भाजपा ने 'बिहार में का बा' का जवाब 'बिहार में ई बा' से दे दिया है, लेकिन मतदाता किस गाने को पसंद कर अपनी मुहर लगाते हैं, इसका पता तो चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा। लेकिन दोनों गानों को लोग सुन और देख कर मनोरंजन कर रहे हैं।

स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। योगी ने अधिकारियों से कहा कि इसके लिए सर्वे और आंकलन के आधार पर ठोस कार्य योजना बनाई जाए। योगी ने कहा कि इस योजना के तहत १०० दिन का अभियान चलाकर स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के कार्यों को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग अन्तर्विभागीय समन्वय के आधार पर यह कार्य सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री लोक भवन में केंद्र सरकार द्वारा 'गांधी जयन्ती' के अवसर पर २ अक्टूबर से स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के १०० दिन के अभियान के क्रम में प्रदेश में इस अभियान के संचालन के संबंध में

समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा ग्राम्य विकास तथा पंचायतीराज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक, माध्यमिक शिक्षा, नगर विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, समाज कल्याण विभाग के सहयोग एवं समन्वय से यह अभियान चलाकर शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। योगी ने कहा कि कार्य योजना के तहत बेस लाइन डाटा प्राप्त करते हुए जलापूर्ति की समयबद्ध व्यवस्था, क्षमता संवर्धन, जागरूकता, ग्रे–वाटर मैनेजमेण्ट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग संबंधी कार्यों को भी कन्वर्जेन्स के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। शौचालयों में भी वाटर कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित सभी प्रमुख संस्थानों जैसे–प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, पंचायत भवनों, कल्याण केन्द्रों, सामुदायिक शौचालयों में भी पाइप द्वारा जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी विद्यालयों व छात्रावासों में भी शुद्ध जलापूर्ति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

राज्यसभा की दस सीटों के लिए नौ को होगा मतदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा के दस सदस्यों का कार्यकाल २५ नवंबर को समाप्त होने वाला है। इसको लेकर केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। दस सीटों के लिए नौ नवंबर को मतदान होगा।निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश की दस तथा उत्तराखंड की एक सीट रिक्त होने को लेकर आज मतदान का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें २७ अक्टूबर नामांकन होगा जबकि ६ नवंबर को मतदान होना है। चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव को लेकर आज नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उत्तर प्रदेश से भाजपा के नीरज शेखर, अरुण सिंह तथा केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, समाजवादी पार्टी के प्रोफेसर रामगोपाल यादव, जावेद अली, डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव व रवि प्रकाश वर्मा, बहुजन समाज पार्टी के वीर सिंह व राजा राम तथा कांग्रेस के पीएल पुनिया का कार्यकाल २५ नवंबर

को समाप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश के निवासी राजबब्बर उत्तराखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य हैं। इन दस में से नौ का भाजपा के खाते में जाना तय है। समाजवादी पार्टी की ताकत कम होगी। इनके खाते में एक सीट जा सकती है, जबकि बहुजन समाज पार्टी व कांग्रेस का खाता बंद हो जाएगा। समाजवादी पार्टी के प्रोफेसर रामगोपाल यादव का सदन जाना लगभग तय है।

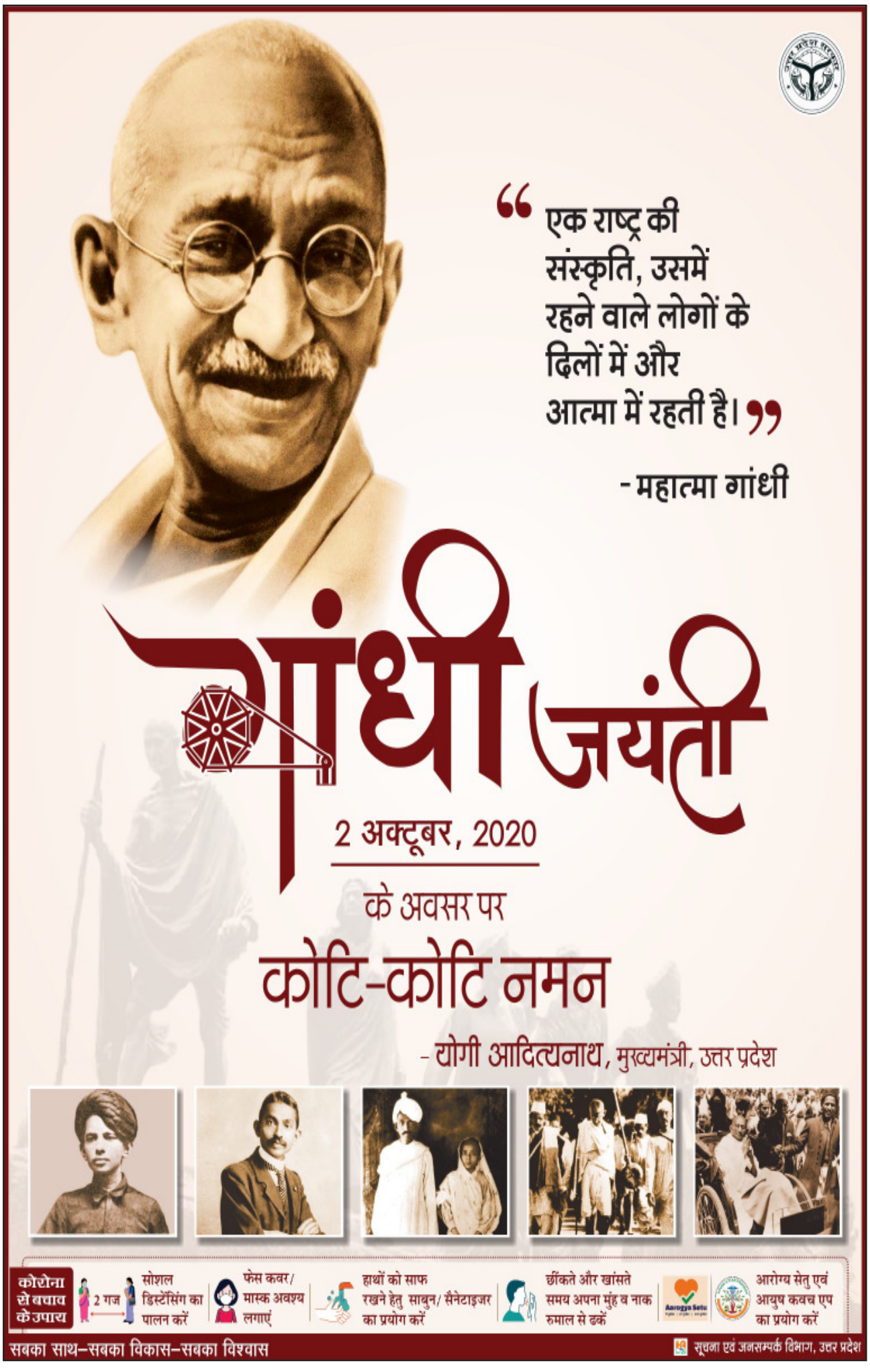

भाजपा के छह प्रत्याशी घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा उप चुनाव २०२० के लिए भारतीय जनता पार्टी ने सात में छह सीट पर मंगलवार को प्रत्याशियों का नाम घोषित कर दिया है। नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन भाजपा ने उत्तर प्रदेश के साथ ही नगालैंड व कर्नाटक में होने वाले उप चुनाव के लिए भी प्रत्याशियों का नाम फाइनल किया। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तथा मुख्यालय प्रभारी राज्यसभा सदस्य ने नामों की घोषणा की है। अमरोहा की नौगावां सादात सीट से स्वर्गीय चेतन चौहान की पत्नी श्रीमती संगीता चौहान, बुलंदशहर की बुलंदशहर सदर से स्वर्गीय वीरेंद्र सिंह सिरोही की पत्नी श्रीमती उषा सिरोही को प्रत्याशी बनाया है। फिरोजाबाद की टूंडला सुरक्षित सीट से प्रेमपाल धनगर, उन्नाव की बांगरमऊ से श्रीकांत कटियार, कानपुर की घाटमपुर सुरक्षित सीट से उपेंद्र पासवान तथा जौनपुर की मल्हनी से मनोज सिंह को प्रत्याशी बनाया है। देवरिया की देवरिया सदर सीट पर अभी प्रत्याशी का नाम नहीं घोषित किया गया है। कुलदीप सेंगर की सीट बाँगरमऊ पर पिछड़ी जाति के श्रीकांत कटियार पर दाँव लगाया है।

रोडवेज ने नई पहल १२ हजार रोडवेज बसों में साउंड सिस्टम लगाएगा परिवहन निगम

लखनऊ। कोविड–१९ से बचाव को लेकर रोडवेज ने नई पहल की है। यात्रियों को जागरुक करने के लिए राज्य सड़क परिवहन निगम प्रशासन अपनी १२ हजार रोडवेज बसों मेंसाउंड सिस्टम लगाने की कवायद तेज कर दी है। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक धीरज साहू ने बताया कि यात्रियों को कोरोना वायरस से बचाने के लिए रोडवेज अपनी बसों में साउंड सिस्टम लगाएगा। इस सिस्टम से बस में सफर करने वाले यात्रियों को कोरोना वायरस से बचने के लिए चेतावनी देते और जागरूक करेगा। साधारण, एसी शताब्दी, एसी जनरथ, वोल्वो व स्कैनिया श्रेणी की करीब १२ हजार बसों में साउंड बाक्स लगेगा। हर

उ० प्र० परिवहन निगम

बाक्स में प्री रिकार्डेड आडियो क्लिप होगा। इस साउंड सिस्टम के जरिए पांच से सात मिनट का यात्रियों को जरूरी संदेश प्रसारित किया जाएगा। इसके लिए परिवहन निगम के एमडी धीरज साहू ने एक साउंड सिस्टम की कीमत १५ सौ रुपये तय करते हुए २५ अक्तूबर तक हर बसों में लगाने के निर्देश प्रदेश भर के क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक व सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को दिया है।

अटल सुरंग से सोनिया की शिलान्यास पट्टिका गायब, कांग्रेस ने दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली/धर्मशाला। कांग्रेस ने अटल सुरंग से पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी की शिलान्यास पट्टिका को दोबारा स्थापित करने के लिए १५ दिनों का अल्टीमेटम दिया है, जिन्होंने यूपीए के सत्ता में रहते वर्ष २०१० में रोहतांग सुरंग परियोजना की आधारशिला रखी थी। कांग्रेस ने कहा कि सोनिया गांधी ने २८ जून २०१० को रोहतांग सुरंग परियोजना की मनाली के धूंदी में आधारशिला रखी थी, जिसका नाम अब अटल सुरंग कर दिया गया है। धर्मशाला से कांग्रेस विधायक आशा कुमारी ने कहा, "यह गंदी राजनीति है। परियोजना को तब स्वींति दी गई थी, जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और ए.के.एंटनी रक्षा मंत्री थे।" आशा कुमारी ने कहा कि इसके लिए राशि यूपीए सरकार ने दी थी। उस समय परियोजना की लागत ३२०० करोड़ रुपये थी और आधी राशि को तत्काल जारी कर दिया

गया था। उन्होंने कहा कि बीआरओ सुरंग का निर्माण कर रहा था और यह राज्य व केंद्र सरकार दोनों की मिलीभगत हो सकती है। हम मुख्यमंत्री के सामने इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि आधारशिला कार्यक्रम के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ३ अक्टूबर को अटल सुरंग का उद्घाटन किया था। सुरंग के उद्घाटन के बाद से ही राजनीतिक पारा बढ़ गया है। हिमाचल कांग्रेस के नेता ग्यालचन ठाकुर ने केयलोंग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि उद्घाटन से पहले ही सोनिया गांधी के नाम वाली शिलान्यास पट्टिका को हटा दिया गया है। लाहौल स्पीति के पार्टी प्रमुख ने कहा, "यह अलोकतांत्रिक और भाजपा नेताओं की शैतानी है। वहीं हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप राठौर ने इस बाबत मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को पत्र लिखा है और चेतावनी देते हुए कहा कि अगर १५ दिनों के अंदर पट्टिका नहीं लगाई गई तो राज्यव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा।

मथुरा में आलू के चिप्स के उत्पादन के लिए ८१४ करोड़ रुपये प्रोजेक्ट की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में विकास की गति को तेजी मिल सकती है। दरअसल पेप्सिको ने मथुरा में आलू के चिप्स के उत्पादन के लिए ८१४ करोड़ रुपये की प्रोजेक्ट की घोषणा की है। यूनिट की स्थापना जिले के कोसी क्षेत्र में की जाएगी और साल २०२१ के मध्य तक कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। मथुरा जिले के कोसी क्षेत्र में प्लांट की स्थापना ३५ एकड़ भूमि पर की जा रही है। जमीन यूपी राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीएसआईडीए) द्वारा उपलब्ध कराई गई है। कंपनी स्थानीय स्रोतों से आलू, उसके कच्चे माल एकत्र करेगी, जिससे स्थानीय किसानों को मदद मिलेगी। तैयार होने के बाद प्लांट करीब १,५०० लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करेगा। उप्र के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि यह प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उद्योग समर्थक नीतियों का प्रतिफल है। उन्होंने आगे कहा, "ऐसी नीतियां, जिनके तहत सरकार ने व्यापार करने में आसानी के लिए व्यावसायिक सुधार किए हैं, उनसे उप्र निवेश के लिए एक अत्यधिक आकर्षक राज्य बना है। इसका परिणाम यह है कि पेप्सिको जैसी कई कंपनियों ने उप्र सरकार में विश्वास दिखाया है और राज्य में निवेश को लेकर वे आशावादी हैं।" पेप्सिको इंडिया के अध्यक्ष अहमद अल शेख ने कहा कि, शुरुआत में इस परियोजना में ५०० करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई गई थी, जिसके लिए कंपनी ने २०१८ इन्वेस्टर्स समिट के दौरान यूपी सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, इसे संशोधित कर ८१४ करोड़ रुपये कर दिया गया। इंफ्रास्ट्रक्चॉर एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर आलोक टंडन ने कहा कि जुलाई २०१६ में आयोजित भूमिपूजन समारोह के साथ प्रोजेक्ट शुरू हुआ। उन्होंने कहा, सरकार ने एमओयू ट्रैकिंग, भूमि आवंटन और श्रम संबंधी सुधारों की एक व्यापक कवायद शुरू की है, क्योंकि उप्र में एक पारदर्शी निवेश प्रणाली स्थापित की जा रही है। साल १९६० के बाद से पेप्सिको फ्रेंचाइजी के माध्यम से उप्र में काबोर्नेटेड शीतल पेय पदार्थ और गैर-काबोर्नेटेड पेय पदार्थ का उत्पादन किया जा रहा है। ये यूनिट ग्रेटर नोएडा, कोसी, सथरिया-जौनपुर, कानपुर देहात और हरदोई में स्थापित हैं। यह पहली बार है जब कंपनी यूपी में ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट स्थापित कर रही है।

संत की सरकार में संतों पर खतरा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक मंदिर के पुजारी पर जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने प्रदेश सरकार से साधु-संतों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। मायावती ने सोमवार सुबह ट्वीट के माध्यम से प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तरह यूपी के गोण्डा जिले में मन्दिर के पुजारी पर भू-माफियाओं द्वारा मन्दिर की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से किया गया जानलेवा हमला अति-शर्मनाक अर्थात संत की सरकार में अब संत भी सुरक्षित नहीं। इससे खराब कानून-व्यवस्था की स्थिति और क्या हो सकती है। उन्होंने आगे लिखा

कि यूपी की सरकार इस मामले में सभी पहलुओं का गम्भीरता से संज्ञान लेकर दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे तथा इस घटना से जुड़े सभी भू-माफियाओं की सम्पत्ति भी जरूर जब्त की जाये। साथ ही, साधु-सन्तों की सुरक्षा भी बढ़ाई जाये। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के इटियाथोक कोतवाली के मंदिर के पुजारी सम्राट दास को शनिवार करीब दो बजे गोली मार दी गई। गोली उनके बाएं कंधे पर लगकर निकल गई। गनीमत रही, गोली पुजारी के कंधे को छू कर निकल गई। मंदिर की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। १५० बीघा जमीन का पूरा मामला है।

देश में 62 लाख लोग कोरोना संक्रमण मुक्त हुए

नई दिल्ली। देश में अब तक कुल ६२ लाख लोग कोरोना संक्रमण को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं और देश में कोरोना की पॉजिटिविटी दर ८.०७ प्रतिशत है। यह लगातार पांचवा दिन है जब सक्रिय मामलों की संख्या नौ लाख से कम है और इसमें गिरावट दर्ज की जा रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि देश में ४५ से ६० वर्ष आयु वर्ग के लोगों में कोरोना के साथ-साथ अन्य बीमारियों से १३.६ प्रतिशत मौतें हुई और सिर्फ कोरोना से मरने वाले लोगों का आंकडा १.६ प्रतिशत रहा। इसके अलावा ६० वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों में कोरोना और अन्य बीमारियों से हुई मौतों की दर २४.६ प्रतिशत रही जबकि इसी आयु वर्ग में केवल कोरोना से ४.८ प्रतिशत मौतें हुई। देश में कोरोना से होने वाली मृत्यु दर (केस फेटलिटी रेट) १.५३ प्रतिशत है। देश में नौ से १५ सितंबर तक प्रतिदिन संक्रमण के औसतन ६२,६३० मामले दर्ज किए जा रहे थे जो ३० से छह सितंबर को घटकर ७७,११३ रह गए थे और इस सप्ताह यह आंकडा ७०,११४ दर्ज किया गया है। इसके अलावा कोरोना मामलों की पॉजिटिविटी दर साप्ताहिक आधार पर नौ से १५ सितंबर के बीच ८.५ प्रतिशत दर्ज की गई थी और ३० से छह सितंबर आते -आते यह घटकर ६.८२ प्रतिशत रह गई तथा इस सप्ताह आज तक यह ६.२४ प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि देश में ८६ प्रतिशत से अधिक लोग कोरोना

से ठीक हो चुके है और दस राज्य ऐसे हैं जिनमें कुल सक्रिय मामलों का ७६ प्रतिशत आंकड़ा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिदिन आधार पर पॉजिटिविटी दर ५.१६ प्रतिशत और साप्ताहिक आधार पर ६.२४ प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना से ३० प्रतिशत महिलाओं और ७० प्रतिशत पुरूषों की मौत हुई है और ४५ वर्ष तथा इससे अधिक आयु वर्ग के आयु समूह में ३५ प्रतिशत मौतें हुई हैं और ६० वर्ष तथा इससे अधिक आयु वर्ग में ५३ प्रतिशत मौतें हुई हैं। कोरोना की वजह से २६ से ४४ वर्ष आयु वर्ग में १० प्रतिशत , १८ से ३५ आयु समूह में एक और सत्रह वर्ष से कम आयु वर्ग में भी एक प्रतिशत मौतें हुई हैं।

यूपी में ३१२७७ शिक्षकों को १६ अक्टूबर को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

लखनऊ। ६६ हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के तहत ३१ हजार २७७ शिक्षकों को १६ अक्टूबर को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ड. सतीश चन्द द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि ६६ हजार सहायक अध्यापक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश का अनुपालन करते हुए ३१२७७ सहायक अध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में प्रथम चरण में ६६००० रिक्त पदों के सापेक्ष अभ्यर्थियों को पूर्व आवंटित जिले और आरक्षण को यथावत रखते हुए कुल ६६००० पदों की रिक्तियों के सापेक्ष मेरिट व आरक्षण के आधार पर ३१२७७ पदों पर चयन एवं नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। डा द्विवेदी ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आज ३१२७७ अभ्यर्थियों की अनन्तिम चयन सूची वेबसाइट पर अपलोड की गई है। उन्होंने बताया कि ३१२७७ पदों पर चयनित अभ्यर्थियों में १५६३३ अनारक्षित श्रेणी, ८५१३ अन्य पिछड़ा वर्ग, ६६१५ अनुसूचित जाति एवं २१६ अनुसूचित जनजाति के अभ्यथी हैं। उन्होने बताया कि जिले में काउंसलिंग का आयोजन १४ एवं १५ अक्टूबर २०२० तथा नियुक्ति पत्र १६ अक्टूबर को निर्गत किया जाएगा और चयन एवं नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय में पारित होने वाले अन्तिम आदेश के अधीन होगा।

ओसीआर बिल्डिंग में व्यवस्था अधिकारी का मिला शव

लखनऊ। राजधानी में ओसीआर बिल्डिंग में व्यवस्था अधिकारी का शव मिला है। ४२ वर्षीय नसीम अख्तर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। नसीम अख्तर राज्य संपत्ति विभाग में व्यवस्था अधिकारी के पद पर तैनात थे। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। शव मिलने के बाद ओसीआर बिल्डिंग में सनसनी मच गई है।

अद्भुत महल : भूतों का महल

अमरेन्द्र सहाय अमर

भानगढ़ दुर्ग राजस्थान में स्थित १७वीं शताब्दी में निर्मित एक दुर्ग है. इसे मान सिंह प्रथम ने अपने छोटे भाई माधो सिंह प्रथम के लिए बनवाया था. इस दुर्ग का नाम भान सिंह के नाम पर है जो माधो सिंह के पितामह थे. इस दुर्ग की सीमा के बाहर एक नया गाँव बसा है जिसमें लगभग २०० घर और जनसंख्या १३०० है. यह दुर्ग और इसका अहाता अच्छी तरह संरक्षित है इस किले की देख रेख भारत सरकार द्वारा की जाती है. किले के चारों तरफ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानि ए एस आई की टीम मौजूद रहती हैं. पुरातत्व विभाग द्वारा इस क्षेत्र में सूर्यास्त के बाद किसी भी व्यरक्ति के रूकने की अनुमति नही है. भानगढ़ कि कहानी बड़ी ही रोचक है. सोलहवीं शताब्दी में भानगढ़ बसता है. ३०० सालो तक भानगढ़ खूब फलता फूलता है. फिर यहाँ कि एक सुन्दर राजकुमारी पर काले जादू में महारथ तांत्रिक सिंधु सेवड़ा आसक्त हो जाता है. वो राजकुमारी को वश में करने लिए काला जादू करता है पर खुद ही उसका शिकार हो कर मर जाता है पर मरने से पहले भानगढ़ को बर्बादी का श्राप दे जाता है. संयोग से उसके एक महीने बाद ही पड़ौसी राज्य अजबगढ़ से लड़ाई में राजकुमारी सहित सारे भानगढ़ वासी मारे जाते है. इसके बाद भानगढ़ वीरान हो जाता है. तब से वीरान हुआ भानगढ आज तक वीरान है. कहते है कि उस लड़ाई में मारे गए लोगो के भूत आज भी रात को भानगढ़ के किले में भटकते है, क्योकि तांत्रिक के श्राप के कारण उन सब कि मुक्ति नहीं हो पाई थी. तो यह है भानगढ़ कि कहानी जो कि लगती फिल्मी है पर है असली. भानगढ़ का किला, राजस्थान के अलवर जिले में स्थित है. इस किले सी कुछ किलोमीटर कि दूरी पर विश्व प्रसिद्ध सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान है. भानगढ़ तीन तरफ पहाड़ियों से सुरक्षित है. सामरिक दृष्टि से किसी भी राज्य के संचालन के यह उपयुक्त स्थान है. सुरक्षा की दृष्टि से इसे कई भागों में बांटा गया है. सबसे पहले एक बड़ी प्राचीर है जिससे दोनो तरफ की पहाड़ियों को जोड़ा गया है. इस प्राचीर के मुख्य द्वार पर हनुमान जी विराजमान हैं. इसके पश्चात बाजार प्रारंभ होता है. बाजार की समाप्ति के बाद राजमहल के परिसर के विभाजन के लिए त्रिपोलिया द्वार बना हुआ है. इसके पश्चात राज महल स्थित है. इस किले में कई मंदिर भी है जिसमे भगवान सोमेश्वर, गोपीनाथ, मंगला देवी और केशव राय के मंदिर प्रमुख मंदिर हैं. इन मंदिरों की दीवारों और खम्भों पर की गई नक्कघशी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह समूचा किला कितना खूबसूरत और भव्य रहा होगा. सोमेश्वर मंदिर के बगल में एक बाबड़ी है जिसमें अब भी आसपास के गांवों के लोग नहाया करते हैं. भानगढ़ किले को आमेर के राजा भगवंत दास ने १५७३ में बनवाया था. भानगढ़ के बसने के बाद लगभग ३०० वर्षों तक यह आबाद रहा. मुगल शहंशाह अकबर के नवरत्नों में शामिल और भगवंत दास के छोटे बेटे और आमेर के महान मुगल सेनापति, मानसिंह के छोटे भाई राजा माधो सिंह ने बाद में सन १६१३ इसे अपनी रिहाइश बना लिया. माधौसिंह के बाद उनका पुत्र छत्र सिंह गद्दी पर बैठा. विक्रम संवत १७२२ में इसी वंश के हरिसिंह ने गद्दी संभाली. इसके साथ ही भानगढ की चमक कम होने लगी. छत्र सिंह के बेटे अजब सिह ने समीप ही अजबगढ़ बनवाया और वहीं रहने लगे. यह समय औरंगजेब के शासन का था. औरंगजेब कट्टरपंथी मुसलमान था. उसने अपने बाप को नहीं छोड़ा तो इन्हे कहाँ छोड़ता. उसके दबाव में आकर हरिसिंह के दो बेटे मुसलमान हो गए, जिन्हें मोहम्मद कुलीज एवं मोहम्मद दहलीज के नाम से जाने गये. इन दोनों भाईयों के मुसलमान बनने एवं औरंगजेब की शासन पर पकड़ ढीली होने पर जयपुर के महाराजा सवाई जय सिंह ने इन्हे मारकर भानगढ़ पर कब्जा कर लिया और माधो सिंह के वंशजों को गद्दी दे दी. कहते है कि भानगढ़ कि राजकुमारी रत्नाथवती बेहद सुन्दर थी. उस समय उनके रूप की चर्चा पूरे राज्य में थी. देश के कोने कोने के राजकुमार उनसे विवाह करने के इच्छुक थे. उस समय उनकी उम्र महज १८ वर्ष ही थी. उनका यौवन उनके रूप में और निखार ला चुका था. उस समय कई राज्यो से उनके लिए विवाह के प्रस्ताव आ रहे थे. उसी दौरान वो एक बार किले से अपनी सखियों के साथ बाजार में निकलती थीं। राजकुमारी रत्नाथवती एक इत्र की दुकान पर पहुंची और वो इत्रों को हाथों में लेकर उसकी खुशबू ले रही थी. उसी समय उस दुकान से कुछ ही दूरी सिंधु सेवड़ा नाम का व्यक्ति खड़ा होकर राजकुमारी बहुत ही गौर से देख रहा था. सिंधु सेवड़ा उसी राज्य में रहता था और वो काले जादू का महारथी था. ऐसा बताया जाता है कि वो राजकुमारी के रूप का दीवाना था और उनसे प्रगाण प्रेम करता था. वो किसी भी तरह राजकुमारी को हासिल करना चाहता था. इसलिए उसने उस दुकान के पास आकर एक इत्र के बोतल जिसे रानी पसंद कर रही थी उसने उस बोतल पर काला जादू कर दिया जो राजकुमारी के वशीकरण के लिए किया था. लेकिन एक विश्वसनीय व्यक्ति ने राजकुमारी को इस राज के बारे में बता दिया. राजकुमारी रत्नाथवती ने उस इत्र के बोतल को उठाया, लेकिन उसे वही पास के एक पत्थर पर पटक दिया. पत्थर पर पटकते ही वो बोतल टूट गया और सारा इत्र उस पत्थकर पर बिखर गया. इसके बाद से ही वो पत्थर फिसलते हुए उस तांत्रिक सिंधु सेवड़ा के पीछे चल पड़ा और तांत्रिक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी. मरने से पहले तांत्रिक ने श्राप दिया कि इस किले में रहने वालें सभी लोग शीघ्र ही मर जायेंगे और वो दोबारा जन्म नहीं ले सकेंगे. ताउम्र उनकी आत्मांएं इस किले में भटकती रहेंगी. उस तांत्रिक के मौत के कुछ दिनों के बाद ही भानगढ़ और अजबगढ़ के बीच युद्ध हुआ जिसमें किले में रहने वाले सारे लोग मारे गये. यहां तक की राजकुमारी रत्नाथवती भी उस शाप से नहीं बच सकी. उनकी भी मौत हो गयी. एक ही किले में एक साथ इतनी मौतों के बाद वहां मौत की चींखें गूंज गयी और आज भी उस किले में उनकी रूहें घूमती हैं. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा खुदाई से इस बात के पर्याप्त सबूत मिले हैं कि यह शहर एक प्राचीन ऐतिहासिक स्थल है. फिलहाल इस किले की देख रेख भारत सरकार द्वारा की जाती है. किले के चारो तरफ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम मौजूद रहती हैं. एएसआई ने सख्त हिदायत दे रखी है कि सूर्यास्त के बाद इस इलाके में किसी भी व्यक्ति के रूकने के लिए मनाही है. भारतीय पुरातत्व के द्वारा इस खंडहर को संरक्षित कर दिया गया है. गौर करने वाली बात है जहाँ पुरात्तव विभाग ने हर संरक्षित क्षेत्र में अपने ऑफिस बनवाये है वहीं इस किले के संरक्षण के लिए पुरातत्व विभाग ने अपना अफिस भानगढ़ से दूर बनाया है. इस किले में कई मंदिर भी है जिसमे भगवान सोमेश्वर, गोपीनाथ, मंगला देवी और केशव राय के मंदिर प्रमुख मंदिर हैं. इन मंदिरो की एक यह विशेषता है कि जहाँ किले सहित पूरा भानगढ़ खंडहर में तब्दील हो चूका है वही भानगढ़ के सारे के सारे मंदिर सही सलामत है अलबत्ता अधिकतर मंदिरो से मूर्तियाँ गायब है. सोमेश्वर महादेव मंदिर में जरूर शिवलिंग है. दूसरी बात भानगढ़ के सोमेश्वर महादेव मंदिर में सिंधु सेवड़ा तांत्रिक के वंशज ही पूजा पाठ कर रहे है. लोगों का कहना है कि यहाँ भूत है यह बात सही है पर वो भूत किले के अंदर केवल खंडहर हो चुके महल में ही रहते है. महल से नीचे नहीं आते है क्योकि महल की सीढ़ियों के बिलकुल पास भोमिया जी का स्थान है जो उन्हें महल से बाहर नहीं आने देते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि रात के समय आप किला परिसर में रह सकते है कोई दिक्त नहीं है पर महल के अंदर नहीं जाना चाहिए. तो यह है भानगढ़ कि कहानी अब वहाँ भूत है कि नहीं यह एक विवाद का विषय हो सकता है पर यह जरूर है कि भानगढ़ एक बार घूमने लायक जगह है और यदि आप भानगढ़ घूमने का प्रोग्राम बनाये तो आप वहा सावन यानि जुलाई या अगस्त के महीने में जाए क्योकि भानगढ़ तीनो तरफ से अरावली कि पहाड़ियो से घिरा हुआ है. सावन में उन पहाड़ियो में बहार आ जाती है. यदि आपको सोमेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी से भानगढ़ का इतिहास सुनना हो तो आप सोमवार के दिन जाए क्योंकि पुजारी जी सोमवार को पूरा दिन मंदिर में रहते है बाकी दिन तो सुबह पूजा करके वापस चले जाते है.।

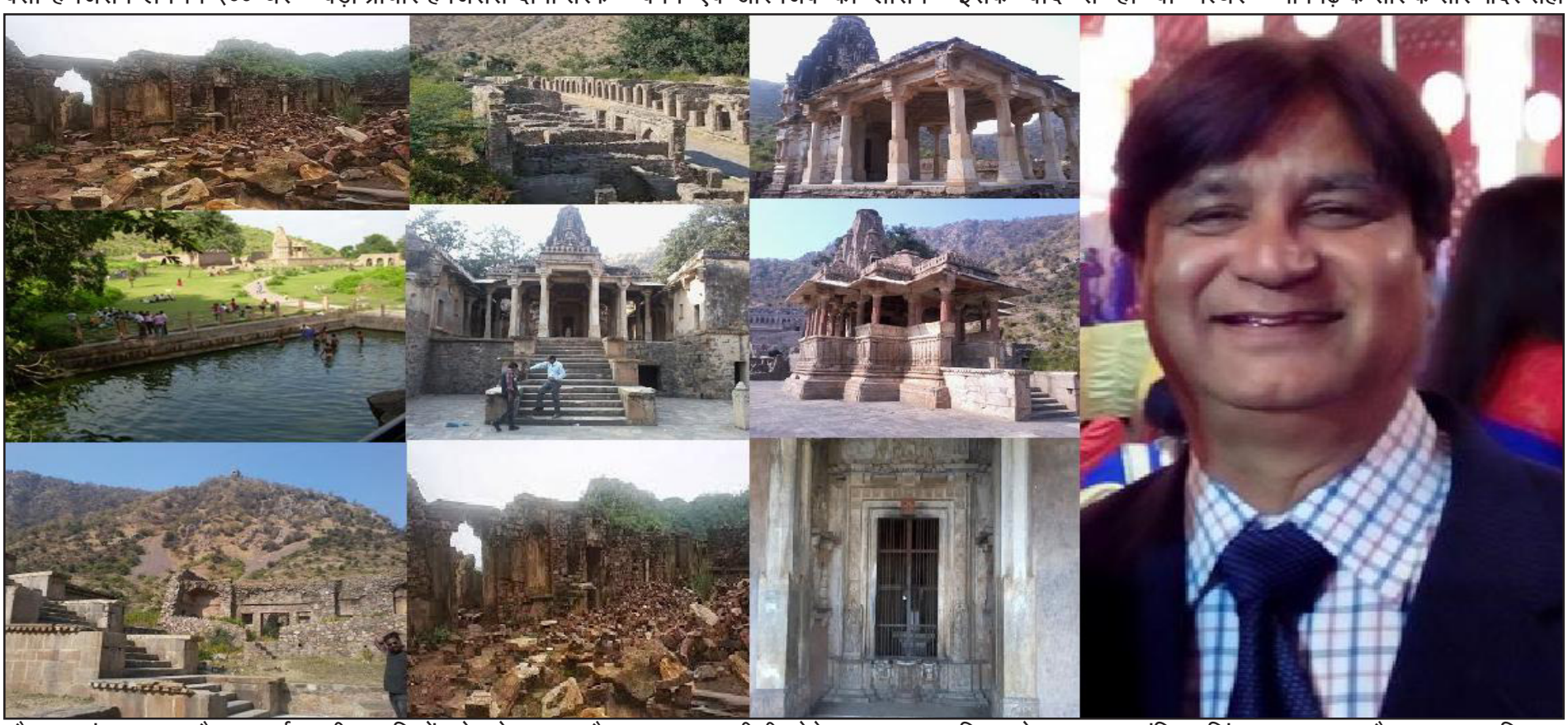

अपराधियों को सही ठहराने और उनकी रक्षा करने का काम कर रही यूपी सरकार : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और उत्तर प्रदेश के अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को राज्य में अपराध के बढ़ते ग्राफ को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आलोचना की। प्रियंका ने कहा कि उप्र सरकार महिलाओं के साथ अपराध करने वाले अपराधियों को सही ठहराने और उनकी रक्षा करने का काम कर रही है, इसके कारण पूरे राज्य में अपराध बढ़ रहे हैं। गोंडा एसिड मामले में उन्होंने कहा कि १७ साल, १० साल और ८ साल की बेटियां अपने घर में सो रही थीं, तभी किसी ने उनके घर में प्रवेश किया और उन पर एसिड फेंक दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने आरोप लगाया कि "योगीराज में दलितों पर अत्याचार हो रहा है, क्योंकि सरकार खुद को बचाने के लिए अपराधियों को बचा रही हैं, ऐसे में अपराधी राज्य सरकार से क्यों डरेंगे।" पार्टी ने कहा कि गोंडा जिले के पसका गांव में तीन

नाबालिग अनुसूचित जाति की बहनों को एसिड से जलाए जाने की घटना से लगता है कि राज्य में कानून–व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। इस हमले में दो लड़कियों को मामूली चोटें आईं, जबकि तीसरी लड़की का चेहरा जल गया है। वहीं लखनऊ में एक महिला ने आत्मदाह करने की कोशिश। इस बीच, राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी भी हमले के मूड में आ गई है। पार्टी ने कहा है कि राज्य में अन्याय और अत्याचार ने हदें पार कर दी हैं। पुलिस ने बताया कि ३५ वर्षीय महिला ने मंगलवार की दोपहर को विधानसभा के सामने आत्मदाह करने का प्रयास किया। महराजगंज जिले की निवासी इस महिला को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि हाल ही में राज्य में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाएं हुई हैं। पहले हाथरस में दलित लड़की की सामूहिक दुष्कर्म के बाद मौत, फिर झांसी में एक पलिटेक्निक कलेज में लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म, गोंडा में मंदिर के पुजारी की संपत्ति विवाद में हत्या जैसे मामले लगातार सामने आए हैं।

भैंस ने सुलझाया चोरी का मामला

कन्नौज। उत्तर प्रदेश में एक ऐसा चोरी का मामला सामने आया है, जिसका निर्णय पुलिस या कोर्ट ने नहीं, बल्कि एक भैंस ने किया है। कन्नौज जिले के जलेसर शहर के अली नगर निवासी वीरेंद्र ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा था कि उसके दोस्त धर्मेंद्र ने उसकी भैंस चुरा ली और उसे किसी और को बेच दिया। हालांकि, धर्मेंद्र ने इस आरोप का खंडन किया और जोर देकर कहा कि भैंस उनकी है। भैंस को सोमवार को पुलिस स्टेशन लाया गया और उसे खुला छोड़ दिया गया। इसके बाद वीरेंद्र और धर्मेंद्र दोनों को पुलिसकर्मियों ने भैंस को बुलाने के लिए कहा। कुछ समय बाद भैंस धर्मेंद्र के पास चली गई और उसके मालिकाना हक का मुद्दा सुलझ गया। वरिष्ठ उप निरीक्षक विजयकांत मिश्रा ने कहा, "हमने भैंस को अपनी पसंद चुनने देने के इस अनूठे विचार को लेकर प्रयास किया। जब वीरेंद्र और धर्मेंद्र ने भैंस को बुलाया, तो उसने उन्हें देखा और धर्मेंद्र के पास चली गई और इस मुद्दे का फैसला हो गया।" वीरेंद्र ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके दोस्त धर्मेंद्र ने उसकी भैंस चुराई थी, जिसने आगे रसूलाबाद गांव के मुस्लिम नाम के व्यक्ति को बेच दी थी। मुस्लिम व्यक्ति जब रविवार को पशु मेले में भैंस को बेचने के लिए ले गया, तब वीरेंद्र ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ यह दावा करते हुए हाथापाई करने लगा कि भैंस उसकी है। मुस्लिम व्यक्ति ने उसके दावे का खंडन किया और कहा कि उन्होंने धर्मेंद्र से यह भैंस खरीदी थी। पुलिस स्टेशन में धर्मेंद्र ने कहा कि भैंस उनकी है और उन्होंने कुछ दिन पहले पशु को १६,००० रुपये में बेच दिया था।

निवेशकों को ३,२२६ करोड़ रुपये का भुगतान सहारा ने किया

लखनऊ। देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता समूह सहारा इंडिया परिवार ने पिछले ७५ दिनों के भीतर १० लाख से अधिक निवेशकों को मैच्यूरिटी के तौर पर ३२२६ करोड़ रुपये के भुगतान किया है। समूह ने सोमवार को कहा कि पिछले करीब दो से सवा दो महीनों के भीतर समूह ने अपने १० लाख १७ हजार १६४ सदस्यों को ३,२२६.०३ करोड़ रुपये का भुगतान का दावा किया है जिसमें २.१८ फीसदी राशि का भुगतान विलंबित भुगतान संबंधी शिकायतकर्ताओं के निवेदनों पर किया गया। विलंबित भुगतान के शिकायतकर्ताओं की कुल संख्या निवेशकों की कुल संख्या आठ करोड़ का ०.०७ प्रतिशत है। सहारा ने पिछले १० सालों में अपने ५,७६,७७,३३६ निवेशकों को १,४०,१५७.५१ करोड़ रूपये का भुगतान किया है। इसमें से केवल ४० फीसदी मामले पुनर्निवेश के हैं जबकि शेष को नकद भुगतान किया गया है। सहारा समूह भुगतानों में विलंब को स्वीकारता है जो प्राथमिक तौर पर पिछले ८ वर्षों से उच्चतम न्यायालय के प्रतिबंध (एम्बार्गो) के कारण है। यदि समूह की (कोआपरेटिव सहित) किसी भी परिसंपत्ति को बेचकर, गिरवी रखकर या संयुक्त उद्यम से कोई भी धन जुटाया जाता है तो न्यायालय के निर्देशानुसार यह सारा धन सहारा–सेबी खाते में जमा हो जाता है। सहारा के एक अधिकारी ने बताया कि हम इसमें से एक रुपये का उपयोग भी संस्थागत कार्य के लिए नहीं कर सकते, यहां तक कि सम्मानित निवेशकों के पुनर्भुगतान के लिए भी नहीं। सहारा अब तक लगभग २२,००० करोड़ रुपये मय ब्याज के,सहारा–सेबी खाते में जमा करा चुका है, जबकि पिछले आठ वर्षों में देश भर के १५४ अखबारों में सेबी द्वारा ४ बार विज्ञापन देने के बावजूद सेबी सम्मानित निवेशकों को केवल १०६.१० करोड़ रूपये का ही भुगतान कर सका है। अपने अंतिम विज्ञापन में जो करीब एक वर्ष पूर्व प्रकाशित हुआ था, सेबी ने स्पष्ट कर दिया था कि वह आगे कोई भी दावा स्वीकार नहीं करेगा यानी कि अब कोई दावेदार नहीं है। सेबी के पास दावे न आने का एकमात्र कारण यह था कि सहारा समूह अपने सम्मानित निवेशकों का पुनर्भुगतान पहले ही कर चुका था। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार २२,००० करोड़ की यह राशि सत्यापन के पश्चात अंततः सहारा को वापस मिल जाएगी।

बीजिंग में शुरू हुई इतालवी फिल्म प्रदर्शनी

बीजिंग। बीजिंग में इतालवी फिल्म प्रदर्शनी शुरू हो गई है, इसमें स्थानीय फिल्मों को भी प्रदर्शन के लिए शामिल किया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 'मारे डि ग्रानो' सहित ५ फिल्मों को इसमें प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें दो दोस्तों और बत्तख को समुद्र में एडवेंचर करते दिखाया जाएगा। चाइना नेशनल

फिल्म म्यूजियम द्वारा आयोजित इस ६ दिवसीय समारोह के दौरान रोमांस और सस्पेंस फिल्में भी दिखाई जाएंगी। आयोजकों ने कहा कि हंगेरियन, पोलिश और बल्गेरियाई फिल्मों वाली इस फिल्म प्रदर्शनी की मेजबानी इस साल के अंत में की जाएगी। बता दें कि इन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म प्रदर्शनियों का आयोजन संग्रहालय द्वारा २०१५ से किया जा रहा है, जिसके तहत अब तक बीजिंग में १० से अधिक देशों और क्षेत्रों की लगभग १०० फिल्में प्रदर्शित हो चुकी हैं।

राधे के सेट पर भावुक हुये सलमान

मुंबई। बलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान आने वाली फिल्म 'राधे रू योर मोस्ट वांटेड भाई' की शूटिंग पर दिवंगत संगीतकार वाजिद खान को याद कर भावुक हो गये। सलमान खान ने प्रभु देवा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। फिल्म की शूटिंग कोरोना काल के दौरान बंद हो गयी थी। फिल्म के सेट पर सलमान इमोशनल हो गए। संगीतकार जोड़ी साजिद– वाजिद के साजिद इस फिल्म के सेट पर मौजूद थे और सलमान पर गाना फिल्माया जा रहा था। वाजिद खान का कुछ माह पूर्व ही निधन हुआ है। हाल ही में जब साजिद,

सलमान और सोहेल खान चौट कर रहे थे तब साजिद ने सलमान को वाजिद के बर्थ डे के बारे में बताया था। सलमान ये सुनकर इमोशनल हो गए थे और दोनों ने आसमान को देखकर वाजिद को याद किया था। बताया जा रहा है कि फिल्म के सेट पर एक केक का इंतजाम किया गया था और वाजिद के बर्थडे को मनाया गया था। साजिद ने इस मौके पर कहा था कि सलमान, मैंने और सोहेल ने चांद को देखा था और हमें ऐसा महसूस हुआ था जैसे वाजिद हमें देख रहा है। साजिद ने कहा कि सलमान ने मेरे कंधों पर अपना हाथ रखा और कहा कि वाजिद ने हमेशा हमारा साथ निभाया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक